

भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 157] नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 27, 1968/श्रावण 5, 1890

No. 157] NEW DELHI, SATURDAY, JULY 27, 1968/SRAVANA 5, 1890

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF LAW

(Department of Legal Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 12th July 1968

G.S.R. 1423.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution of India, and of all other powers enabling him in that behalf, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Legal Service Rules, 1957, namely:—

1. (1) These rules may be called the Central Legal Service (First Amendment) Rules, 1968.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In rule 8 of the Central Legal Service Rules, 1957, for sub-rule (5), the following sub-rule shall be substituted, namely:—

“(5) In computing for the purposes of this rule the period for which a person has held a duty post in any grade or, as the case may be, a post specified in the Third Schedule,—

(i) any period for which he has held such duty post in any grade, or, as the case may be, a post specified in the Third Schedule, on *ad hoc* basis shall be excluded;

(ii) there shall be included—

- (a) any period for which he has held a duty post in a higher grade;
- (b) any period of his deputation for which he would have held that duty post but for his deputation; and
- (c) any period for which he has held a post which, in the opinion of the Central Government corresponds to or is higher than such duty post or, as the case may be a post specified in the Third Schedule."

BALAKRISHNAN, Jt. Secy.

[No. F. 34(1)/68-Adm-I(LA).]

विधि संशोधन
(विधिविधायी विभाग)

सचिव

नई दिल्ली, 12 जुलाई, 1968

सं० क्र० नि० 1424—भारत के संविधान के अनुच्छेद 369 के परन्तुक द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का और तक्षिमित उसको समर्थ बनाने वाली सभी अन्य शक्तियों का, प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति केन्द्रीय विधि सेवा नियम, 1957 में अतिरिक्त संशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) ये नियम केन्द्रीय विधि सेवा (प्रथम संशोधन) नियम, 1968 कहें जा सकेंगे।
- (2) ये शासकीय राजपत्र में अपने प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त हो जाएंगे
2. केन्द्रीय विधि सेवा नियम, 1957 के नियम 8 में उपनियम (5) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रख दिया जाएगा, अर्थात् :—

“(5) इस नियम के प्रयोजनों के लिये ऐसी कालावधि की संगणना करने में, जिसके दौरान किसी व्यक्ति ने किसी श्रेणी में कोई कर्तव्य पद या, यथास्थिति तृतीय अनुसूची में विनिर्दिष्ट कोई पद धारण किया हो, —

- (i) उस किसी कालावधि का अपवर्जन कर दिया जाएगा जिसके दौरान उसने किसी श्रेणी में कोई कर्तव्य पद या, यथास्थिति, तृतीय अनुसूची में विनिर्दिष्ट कोई पद हार्थ आधार पर धारण किया हो ;
- (ii) निम्नलिखित कालावधियों को सम्मिलित कर लिया जाएगा :—
 - (क) कोई कालावधि जिसके दौरान उसने किसी उच्चतर श्रेणी में कर्तव्य पद धारण किया हो ;
 - (ख) उसके प्रति नियोजन की कोई भी कालावधि, जिसके दौरान वह उस कर्तव्य पद को धारण किए रहता यदि उसकी प्रतिनियुक्ति न की गई होती ; और

- (ग) ऐसी कोई कालावधि जिसके दौरान उसने ऐसा पद धारण किया हो, जो केन्द्रीय सरकार की राय में ऐसे कर्तव्य पद या, यथास्थिति, तृतीय अनुसूची में विनिर्दिष्ट किसी पद के समरूप या उससे उच्चतर हो । ”

[सं० एफ० 34(1)/68-प्रश्ना० 1(वि० का० वि०)]

इस० बालकृष्णन, संयुक्त सचिव ।

